

कैशिकत्व (capillarity):-

↳ कैशिकत्व (capillary tube) में द्रव का स्तर:

उपर चढ़ता तथा नीचे उतरता ही कैशिकत्व

व्य:- (i) लौह या लालटेन की बत्ती में कादमात है।

तेल का स्तर: उपर चढ़ता

(ii) Blotting paper द्वारा पानी अवशोषित करना

(iii) सूती कपड़ा द्वारा पानी अवशोषित करना

✓ केशनली की नली में पढ़े फ्लो की ऊंचाई,

$$h = \frac{2T \cos \theta}{\gamma d g}$$

T = पृष्ठ-तनाव

d = फ्लो का धारा

γ = नली की घनता

θ = सपर्श कोण

Q) यदि केशनली के व्यास को दोगुना

करा जाये

तो नली में पढ़े

फ्लो की ऊंचाई

..... हो जाएगी

Ans: आधी

$$h \propto \frac{1}{\gamma}$$

$$h \gamma = \text{constant}$$

→ गुरिन का नियम

यदि

$\gamma = 2$ गुना हो तो, $h = 1/2$ गुना

$\gamma = 1/2$ गुना हो तो, $h = 2$ गुना

श्यानता (Viscosity):

↳ द्रव + गैस दोनों का गुण है

↳ ठोस, द्रव या गैस की विभिन्न परतें (Layers) यदि

कादनी है तो ठोस बल द्वारा उसके अपने ही

परतों की आपेक्षिक गति का विरोध होता है,

श्यान बल (Viscous force) कहलाता है।

⊛ श्यान बल (Viscous force)

↳ असंरक्षी बल (Non-conservative force)

(V.V.)

द्रव की श्यानता $\propto \frac{1}{\eta}$

गैस की श्यानता $\propto \eta$

⊛ श्यानता - गहराई

eg: $\text{शहद} > \text{पानी}$

$\text{पानी} > \text{हवा}$

⊛ वायु की श्यानता तथा बालक के अपने
कम घनत्व के कारण सामान्य नहीं है।

श्यानता गुणांक (coefficient of viscosity - $\eta = \text{इकाई}$): -

$$\rightarrow \text{S.I. unit} = \text{dyne cm} \times \text{sec} = \frac{\text{N}}{\text{m}^2} \times \text{s} = \frac{\text{kg m s}^{-2}}{\text{m}^2} \times \text{s} = \text{kg m}^{-1} \text{s}^{-1}$$

$v \cdot v^{-1}$

$$\rightarrow \text{दिनांक} = [M^{-1} L^{-1} T^1]$$

\rightarrow प्रयोगिक मात्रक = पोइसे

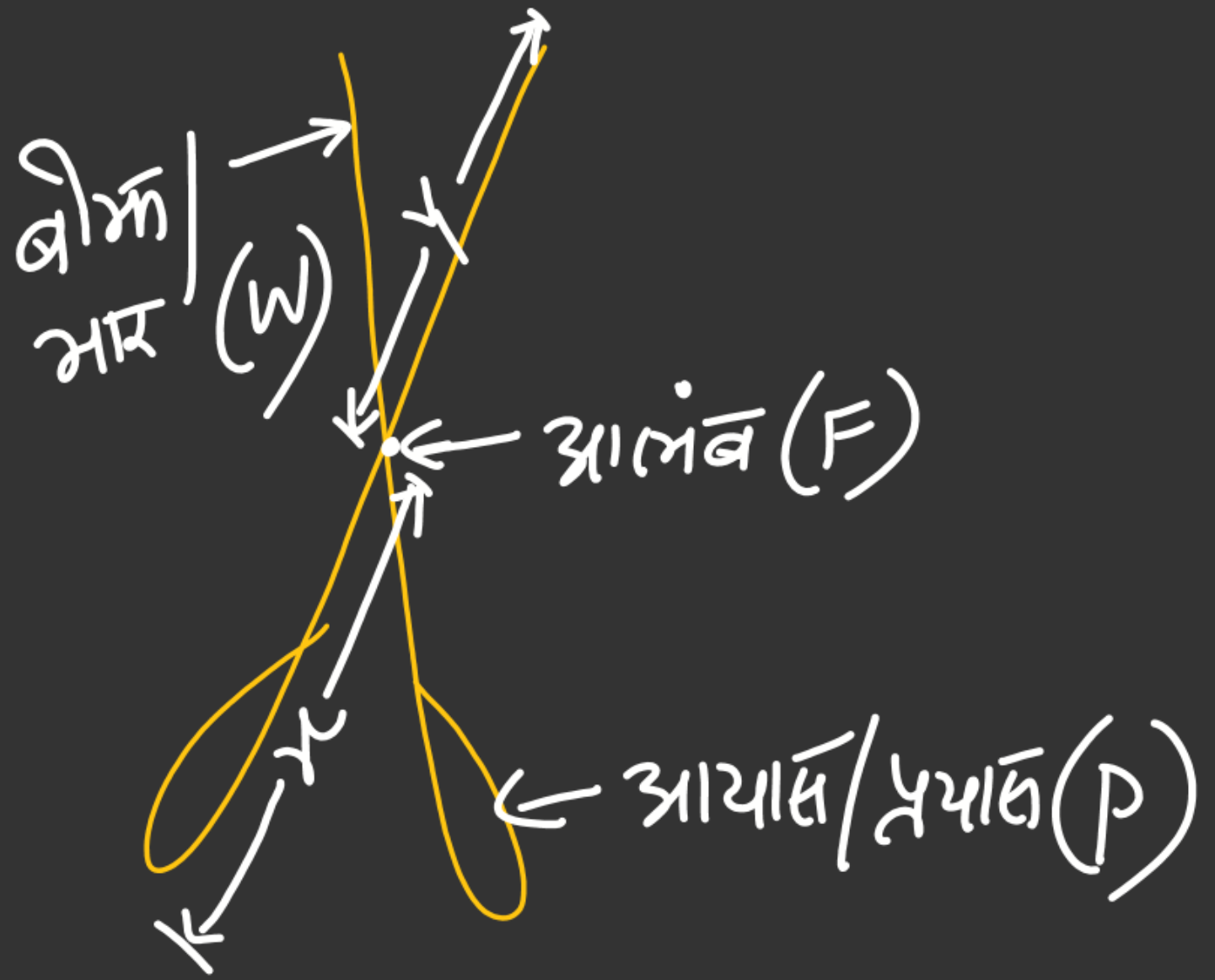
$$1 \text{ Pa} \times \text{sec} = 10 \text{ Poise}$$

$$1 \text{ Poise} = \frac{1}{10} \text{ Pa} \times \text{sec}$$

⊛ श्यानता गुणांक के विरोध को द्रवों की प्रवाहता (Fluidity) कहते हैं

⊛ द्रवों के प्रवाहता मात्रक = क्यूसेक

द्रव के प्रवाह की दर को "वेन्टुरीमीटर" द्वारा मापा जाता है जो
बरनोली प्रमेय पर आधारित है



श्रोलक के कार्य करने का सिद्धांत :-

आयास \times आयास गुजा - बोझ \times बोझ गुजा

$$\frac{\text{आयास गुजा (x)}}{\text{बोझ गुजा (y)}} = \frac{\text{बोझ (W)}}{\text{आयास (P)}} \quad \text{--- (1)}$$

$\frac{\text{आयास गुजा}}{\text{बोझ गुजा}} = \text{यांत्रिक लाभ (M.A)}$
 (Mechanical Advantage)

समी (1) से

$$\text{M.A} = \frac{W}{P}$$

Types of Lever:-

① प्रथम श्रेणी स्तरीयक (First series/class lever):-



$$M.A = 1$$

$$> 1$$

$$< 1$$

उ. - कं-पी, पलास, Nail cutter, साइकिम को ड्रेक, Hand

pump, सी-लॉ गुला, साधारण गुला

② 2nd series lever :- आयात वीरु आयात

M.A > 1

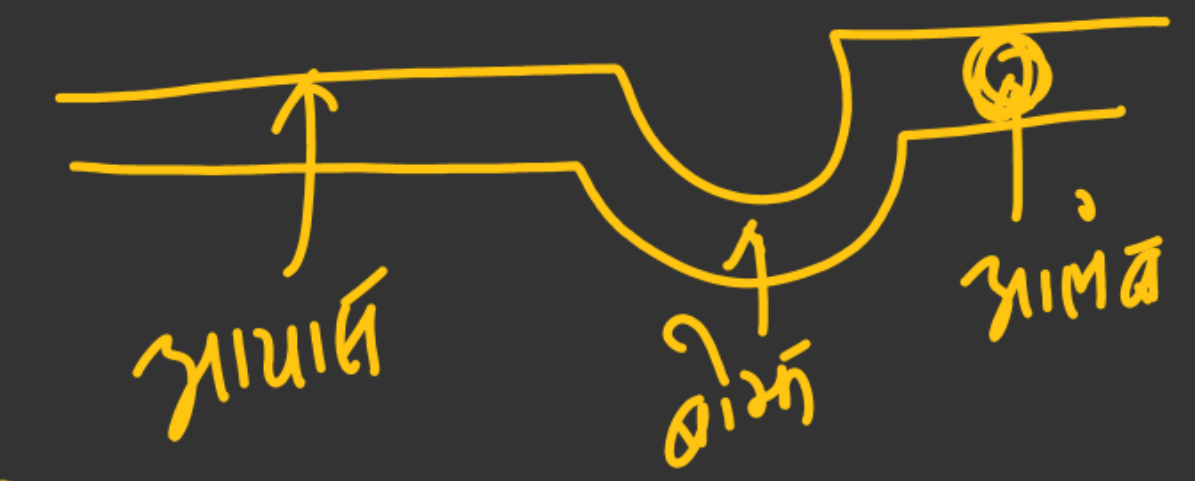
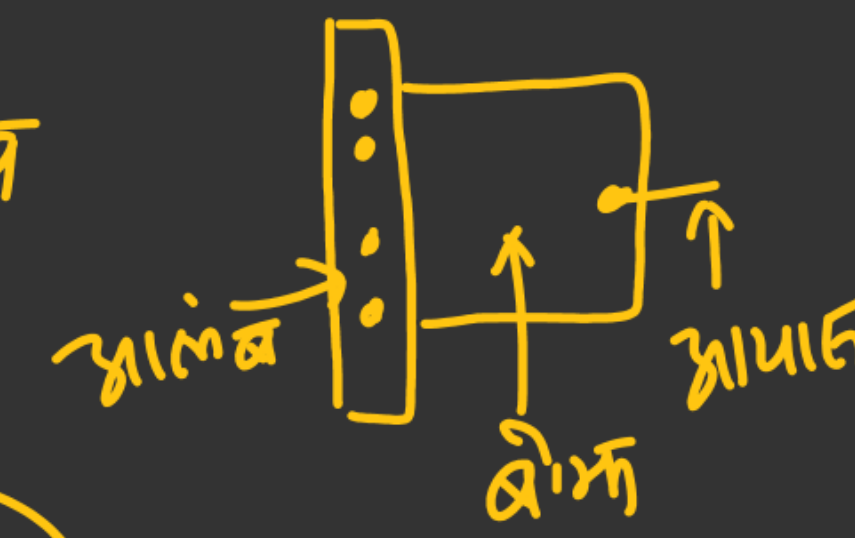
उ० :- * खरीद,

* नीचे निपटने वाली मशीन

* कदमों पर घुमाना देना

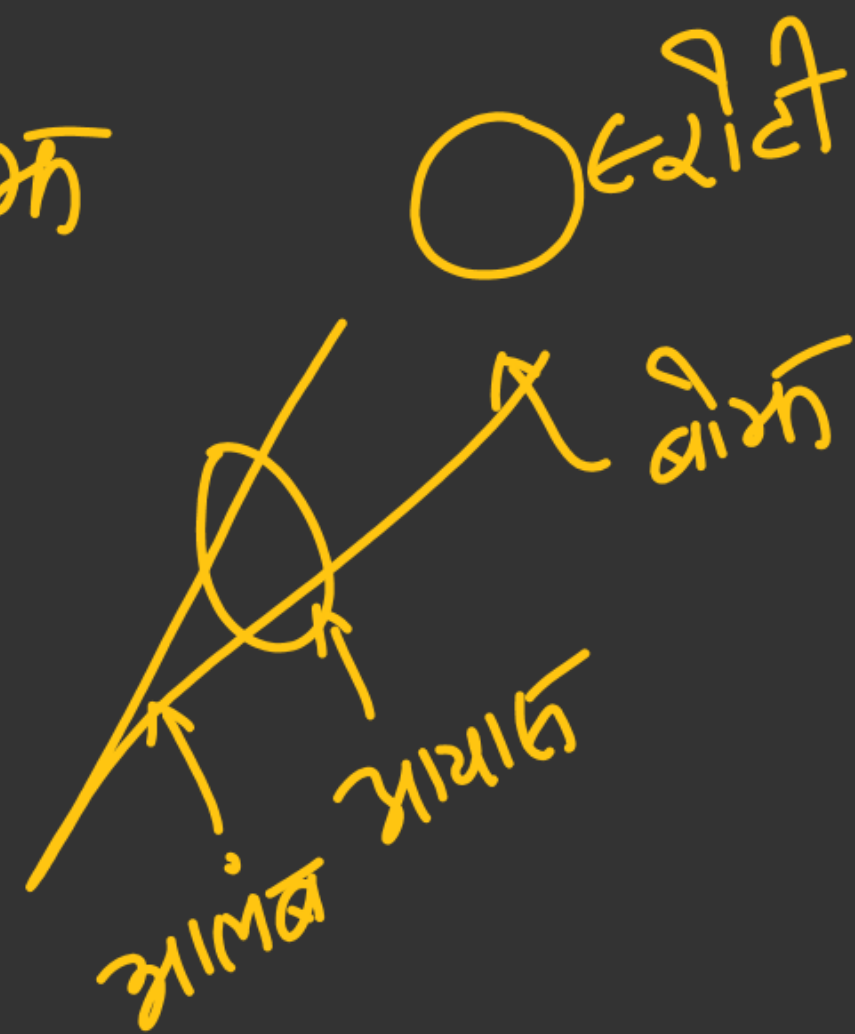
* पक्का

* कपड़ा ढाने वाली एक पहिया की गाड़ी



(3) 3rd series lever :- आमंत्र आयात बारी बारी

$M.A < 1$



eg:- फिसल, स्टेपल, पूछाकानी,
Hockey stick, मनुष्य की हाथ,
किसान की हल, बारी (मछली पकाने वाली)

output - लोड x लोड द्वारा चलित दूरी

Input - प्रयास x प्रयास द्वारा चलित दूरी

वेगानुपात = $\frac{\text{प्रयास द्वारा चलित दूरी}}{\text{लोड द्वारा ...}}$
(Velocity Ratio = VR)

समी ① है,

$$\text{दक्षता (Efficiency)} = \frac{\text{output}}{\text{Input}} \times 100$$

$$\text{दक्षता} = \frac{M \cdot A}{VR}$$

$$\therefore \text{दक्षता} = \frac{\text{लोड x लोड द्वारा चलित दूरी}}{\text{प्रयास x प्रयास द्वारा चलित दूरी}}$$

$$M \cdot A = \frac{\text{लोड (W)}}{\text{प्रयास (P)}}$$

